

मौसम चेतावनी : जनपदवासियों से सतर्कता बरतने की अपील

संवाददाता

*रायबरेली। भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र लखनऊ द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनी के अनुसार 26 सितंबर 2026 से 27 सितंबर 2026 के मध्य जनपद रायबरेली में भारी वर्षा के साथ गरज-चमक एवं तेज हवाएं चलने की संभावना है। विभाग द्वारा इस अवधि में आकाशीय बिजली एवं वर्षा के दृष्टिगत विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

जिलाधिकारी सरनीत कौर बोका के निर्देश के क्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा समस्त जनपदवासियों से अपील की जाती है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए सतर्क रहें तथा निम्न सावधानियां अवश्य बरतें—
क्या करें —

खुली नाली में गिरा बच्चा, गंभीर रूप से घायल

डलमऊ, रायबरेली। घर के सामने खुली पड़ी गहरी नाली में गिरकर एक आठ वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। नाली में गिरने से बच्चों के सर



पर गंभीर चोट आई जिसके कारण उसका सर फट गया। परिजन उसे इलाज के लिए सीएचसी डलमऊ ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसके सर पर टांके लगाए और प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। डलमऊ क्षेत्र के जोहवा नटकी गांव निवासी विनोद कुमार का आठ वर्षीय पुत्र अक्षत घर से बाहर निकलते समय नाली पार कर रहा था, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया जिससे वह गहरी नाली में गिर गया। परिजनों का कहना है कि नाली कई दिनों से खुली पड़ी है। ग्राम पंचायत सचिव द्वारा इसे बंद कराने का आश्वासन दिए जाने के बाद भी नाली को ढका नहीं गया। विनोद कुमार ने बताया कि घर से निकलने के लिए दूसरा रास्ता नहीं है।खुली नाली से ग्रामीणों और स्कूली बच्चों पर भी हादसे का खतरा बना हुआ है।उन्होंने जिम्मेदारों के खिलाफ शिकायत करने की बात कही है।

शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण को हर माह लगेगा समाधान शिविर

डलमऊ रायबरेली। विकासखंड डलमऊ में शिक्षकों, अनुदेशकों, शिक्षामित्रों और रसोइयों की विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए नई पहल की शुरुआत की गई है। अब प्रत्येक माह के अंतिम कार्य दिवस पर ब्लॉक संसाधन केंद्र में समस्या समाधान दिवस आयोजित किया जाएगा। समस्या समाधान दिवस दोपहर 3न्30 से 4न्30 बजे तक चलेगा। इस दौरान वेतन, मानदेय, अवकाश सहित अन्य विभागीय समस्याओं का निपटारा और सुझावों को सुना जाएगा। संबंधित अधिकारियों द्वारा समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण कर आवेदक को इसकी जानकारी दी जाएगी। खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सत्य प्रकाश यादव ने बताया कि व्यवस्था का उद्देश्य विभागीय कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराना है।

जिला न्यायाधीश, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण

बाराबंकी। दिनांक- 24.09.2026 को मा0 जिला न्यायाधीश श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव, जिलाधिकारी बाराबंकी श्री ईशान प्रताप सिंह व पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री अर्पित विजयवर्गीय द्वारा संयुक्त रुप से पुलिस बल के साथ जिला कारागार बाराबंकी का औचक निरीक्षण कर कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, बैरकों, मुलाकात कक्ष, बंदियों की सुविधाओं, स्वच्छता, भोजन, चिकित्सीय व्यवस्था, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष, वीडियो कान्फेसिंग रूम तथा अभिलेखों की स्थिति का जायजा लिया गया। स्वच्छता, पेयजल, भोजन की गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य सेवाओं को संतोषजनक बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही सुरक्षा मानकों के कड़ाई से अनुपालन, सीसीटीवी कैमरों की नियमित निगरानी, अभिलेखों के अद्यतन तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनसेवा को समर्पित एक नई पहल क्षेत्रवासियों को मिलेगा नई सुविधा का लाभ

हैदराढ़ बाराबंकी। जनपद के वि0ख0 क्षेत्र हैदराढ़ के ब्लॉक परिसर में विधायक दिनेश रावत के साथ परिजात मॉडल प्रेरणा कैंटीन एवं ऋह वाटर कूलर का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा इसे क्षेत्रवासियों की सेवा हेतु समर्पित किया। इस जलहिकारी पहल से ब्लॉक परिसर में आने वाले आमजन, कर्मचारियों एवं क्षेत्रवासियों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल के साथ-साथ कैंटीन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। निश्चित रूप से यह पहल आमजन की सुविधा एवं सहूलियत की दिशा में एक सार्थक कदम है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मोहित मिश्रा रणवीर सिंह ‘मोन्’ खंड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव प्रथम विक्रम सिंह राजू सिंह गौतम पाठक बबलू सिंह सहित सम्मानित जन, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे। आपको अवगत करा दे कि जनसेवा, जनसुविधा और जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर प्रयासरत भाषणा आगे बढ़ रही है।



नोएडा में आयोजित इंडिया एक्सपो मार्ट में बलरामपुर के उत्पादों की धूम



बलरामपुर। जिले के स्थानीय और पारंपरिक उत्पादों को देश-दुनिया के बाजार तक पहुंचाने की दिशा में बड़ी पहल की गई है। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में जिले के स्थानीय उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जा रहा है। जिले के पारंपरिक मूंज हस्तशिल्प, कलाकंद, नारियल की बर्फी और चाट के स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हैं।

एक जिला-एक व्यंजन योजना के तहत जिले में कलाकंद, नारियल की बर्फी और चाट का चयन किया गया है। ट्रेड शो में इन स्थानीय व्यंजनों को प्रदर्शित कर देश-विदेश से आने वाले खरीदारों और आगंतुकों को बलरामपुर के स्वाद से परिचित कराया जा रहा है। नगर के राम मिश्रान भंडार की ओर से तैयार कलाकंद, नारियल की बर्फी और बालाजी की चाट को ट्रेड शो में शामिल किया गया है। ट्रेड शो

में बलरामपुर की मूंज से तैयार हस्तशिल्प वस्तुओं की भी विशेष स्थान दिया गया है। महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मूंज से तैयार डलिया, बैग, टोकरी, सूप सहित अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है। इन उत्पादों के माध्यम से जिले की ग्रामीण महिलाओं की कारीगरी और हुनर को बड़े बाजार तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उद्योग विभाग की ओर से चयनित उत्पादों

की ब्रांडिंग और पैकेजिंग की व्यवस्था भी की गई है। ट्रेड शो के हॉल नंबर-10 में बलरामपुर के उत्पादों को प्रदर्शित किया जा रहा है। इसके जरिए स्थानीय उत्पादों को नई पहचान देने के साथ ही उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने का प्रयास है। उपायुक्त उद्योग रवि कुमार शर्मा ने बताया कि ट्रेड शो जिले के स्थानीय उत्पादों को बड़े बाजार से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है।

इससे स्थानीय कारीगरों, छोटे उद्यमियों और खाद्य कारोबारियों को अपने उत्पादों की ब्रांडिंग, बाजार विस्तार और नए खरीदारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। बलरामपुर के मूंज हस्तशिल्प और स्थानीय खानपान को एक ही मंच पर मिली जगह ने जिले की पारंपरिक कला, स्वाद और ग्रामीण उत्पादों को वैश्विक बाजार के सामने प्रस्तुत करने का अवसर दिया है। राम मिश्रान भंडार से अरविंद गुप्ता व उनके दो स्टॉफ शामिल हुए हैं

बलरामपुर नगर को मिलेगी बड़ी सौगात :6.53 करोड़ की लागत से बनेगा विशाल एवं सर्वसुविधायुक्त मैरिज हॉल



बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर के अर्तगत नगरवासियों को एक बड़ी विकास सौगात मिलने जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह ‘धीरू’ के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप नगर में विशाल एवं सर्व सुविधायुक्त बारात घर (मैरिज हॉल) के निर्माण के लिए 6 करोड़ 53 लाख 60 हजार रुपए की प्रशासनिक एवं

वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जानकारी के अनुसार बारात घर की स्वीकृति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं नगर विकास मंत्री एंके.शर्मा के मार्गदर्शन एवं सहयोग से मिली है। प्रस्तावित मैरिज हॉल के निर्माण से नगरवासियों को शादी-विवाह सहित विभिन्न सामाजिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए आधुनिक और सुविधाजनक आयोजन स्थल उपलब्ध होगा।

शारदीय नवरात्रि में होगा भूमि पूजन अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने 25 सितंबर को बताया कि आगामी शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर बारात घर का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में लंबे समय से एक आधुनिक और पर्याप्त सुविधाओं से युक्त आयोजन स्थल की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इस परियोजना के पूरा होने के बाद नगरवासियों को अपने पारिवारिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बारात घर को आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य नगरवासियों को सुव्यवस्थित, सुविधाजनक एवं गरिमापूर्ण आयोजन स्थल उपलब्ध कराना है। मैरिज हॉल का निर्माण पूरा होने के बाद विवाह समारोह, पारिवारिक कार्यक्रम तथा अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए लोगों को बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। तैयार हुआ भव्य 3डी मॉडल परियोजना की भव्यता और प्रस्तावित स्वरूप को दर्शने के लिए मैरिज हॉल का 3 डी मॉडल भी तैयार हो चुका है। 3डी मॉडल के माध्यम से भवन की आधुनिक डिजाइन, प्रस्तावित संरचना और सुविधाओं की स्पष्ट झलक देखने को मिल रही है। इससे आने वाले समय में साकार होने वाले इस महत्वपूर्ण विकास कार्य की परिकल्पना को समझना आसान होगा। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह ‘धीरू’ के प्रयासों से स्वीकृत यह परियोजना नगर के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। मैरिज हॉल के निर्माण से जहां नगरवासियों को एक बेहतर आयोजन स्थल मिलेगा, वहीं नगर में आधारभूत नागरिक सुविधाओं के विस्तार को भी गति मिलेगी।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन संपन्न



उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। डा0 गौतम जी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम राष्ट्रवादी विचार धारा, उर्कृष्ट संगठनकर्ता और दार्शनिक विचार धाराओं पर चलना चाहिए। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मानसिंह भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिपांशी , निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राखी वाम्य स्टोलेन प्रतियोगिता में प्रिया चौहान सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। एवं इंजी0वर्मा ने प्रेरित करते हुए कहा कि युवाओं को माय भारत से जुड़कर विकसित भारत 2047 की ओर अग्रसर रहना है। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक जितेंद्र कुमार, रामरुप वर्मा डॉली वर्मा, सचिन वर्मा, युवा मंडल अध्यक्ष अरूण वर्मा, मुख्य रूप से अवध राम जी, राधवेंद्र प्रताप सिंह,डा0 , डा0 गीता वर्मा , चंद्रकांत वर्मा, अनुज वर्मा, निधि शर्मा, प्रियंका शुक्ला, प्रदीप कुमार, दीपक सिंह, साथ ही साथ युवा मंडल के पदाधिकारी और

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर 510 लोगों ने सस्वर गायन किया



महाराजगंज रायबरेली। नगर में स्थित स्वदेश सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में नमामि भारतम के संयोजकत्व मे वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर 510 लोगों ने एक साथ विद्यालय परिसर में सस्वर वंदे मातरम गायन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्वलन करते हुए अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभात साहू व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के देवेंद्र प्रताप सिंह के द्वारा किया गया। तत्पश्चात वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर वंदे मातरम गायन में 510 लोगों ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डीबी सिंह प्रभात साहू अनुराग अग्रहरी जय नारायन वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वस्थ शरीर निरोगी काया यही है सबसे बड़ी माया गुरुकुल महाविद्यालय में स्वास्थ्य कर्मियों ने छात्रों को किया जागरूक



महाराजगंज रायबरेली। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुकुल महाविद्यालय पुरासी हलौर के बच्चों को किया गया जागरूक। सेवा संकल्प अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महाराजगंज की टीम द्वारा गुरुकुल महाविद्यालय पहुंचकर बच्चों को जागरूक किया। चिकित्सा टीम द्वारा बताया गया कि हम तमाम तरह के बचाव करके अपने आप को स्वस्थ रख सकते हैं तथा नियमित साफ-सफाई से भी तमाम रोगों पर विजय मिल सकती है। छात्र-छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजक रहना चाहिए क्योंकि छात्र-छात्राएं ही देश का भविष्य हैं तथा उन्हें नियमित रूप से व्यायाम व साफ सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए और अन्य लोगों को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना चाहिए। इस मौके पर प्रधानाचार्य बेबी सिंह अमित पांडे सुंदर कुमार सहित छात्र-छात्राएं व महाराजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम मौजूद रही।

बारिश ने किसानों की बढ़ाई चिंता फसलों को भारी नुकसान की आशंका

बाराबंकी। अचानक बदले मौसम और बेमौसम हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश के चलते खेतों में खड़ी फसलों पर इसका प्रतिकूल असर देखने को मिल रहा है। कई स्थानों पर खेतों में पानी भर जाने से किसानों को फसल खराब होने की चिंता सताने लगी है। लगातार बदलते मौसम ने किसानों को मेहनत और लागत पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने फसल तैयार करने में बीज, खाद, सिंचाई और मजदूरी पर काफी पैसा खर्च किया है। फसल से अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन अचानक हुई बारिश ने उनकी उम्मीदों को झटका दिया है। खेतों में पानी जमा होने के कारण फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। वहीं जिन किसानों की फसल कटाई या तैयार होने के करीब है, उनके सामने अतिरिक्त परेशानी खड़ी हो गई है। बारिश के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह जलभराव की स्थिति भी देखने को मिल रही है। खेतों की मेड़ और निचले इलाकों में पानी जमा होने से किसानों को खेतों तक पहुंचने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई किसानों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला आगे भी जारी रहा तो नुकसान और बढ़ सकता है। किसानों ने प्रशासन और संबंधित कृषि विभाग के अधिकारियों से खेतों का स्थलीय निरीक्षण कराकर फसलों में हुए नुकसान का आकलन कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि नुकसान का सही सर्वे होने के बाद ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी। प्रभावित किसानों की नियमानुसार सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि किसान पहले से ही खेती की बढ़ती लागत, सिंचाई और खाद-बीज की बढ़ती कीमतों जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में बेमौसम बारिश से फसल को नुकसान होना उनके लिए बड़ा आर्थिक झटका साबित हो सकता है। किसानों ने मांग की है कि संबंधित अधिकारी गांवों में पहुंचकर खेतों की स्थिति देखें और प्रभावित फसलों का जल्द से जल्द सर्वे कराएं। फिलहाल किसानों की नजर मौसम के अगले बदलाव पर टिकी हुई है। यदि मौसम साफ होता है तो कुछ फसलों को राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन लगातार बारिश होने की स्थिति में नुकसान बढ़ने की आशंका बनी हुई है। किसानों ने सरकार से फसल नुकसान का आकलन कर उचित इलायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

बांदा।युवती ने कमरे अंदर दुपट्टा से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। शहर कोतवाली क्षेत्र के कनवारा गांव निवासी रामदास पाठक ने बताया कि उसकी 22वर्षीय पुत्री दिशा पाठक ने गुरुवार की शाम कमरे के अंदर पंखा की हुक पर दुपट्टा से फांसी लगा कर खुदकुशी कर लिया। काफी देर बाद जब वह कमरे से बाहर नही निकली तो कमरे पहुंचे भाई गोपाल ने देखा तो वह फंदे पर लटक रही थी। शव देखते ही चीख पड़ा। शोर गुल सुनकर आस पास के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मौके पर पहुंची फरिसिक टीम ने जांच पड़ताल किया। मृतका के पिता ने बताया कि वह किसीनी करता है। उसकी बेटी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। पता नहीं की उसके दिमाग में क्या सूझा की उसने यह घटना अंजाम दी। मृतका दो भाईयो के बीच इकलौती थी। फांसी लगाने का कारण अज्ञात है।

बस्तर में बदलाव के वाहक पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और अंत्योदय के संकल्प की प्रेरक यात्रा है। लोक कल्याण की उनकी अहर्निश यात्रा अन्त्यादय को समर्पित है। यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित प्रत्येक नीति के केन्द्र में गरीब, किसान, महिला, युवा और विशेष रूप से जनजातीय समाज होता है।

छत्तीसगढ़ के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष आत्मीय जुड़ाव रहा है। श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के जीवन स्तर को गुणवत्ता प्रदान की है।

इस बदलाव की सबसे सुन्दर तस्वीर बस्तर में दिखाई देती है। बस्तर प्राकृतिक सम्पदा, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश लोगों की धरती है। लम्बे समय तक नक्सल हिंसा के कारण इस क्षेत्र की संभावनाएँ पूरी तरह सामने नहीं आ पाईं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा और विकास को साथ लेकर चलने की नीति ने परिस्थितियाँ बदली हैं। आज जिन इलाकों में शासन-प्रशासन का पहुँचाना कठिन था, फिर सड़क, बिजली, मोबाइल नेटवर्क, स्कूल, अस्पताल और सरकारी योजनाएँ पहुँच रही हैं।

कनेक्टिविटी इस बदलाव का मजबूत आधार बनी है। बस्तर क्षेत्र में 3,240 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है और 889 मोबाइल टॉवर लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 234 बसाहटों को जोड़ने के लिए 228 सड़कों के निर्माण को मंजूरी मिली है।

सड़क केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ती, वह लोगों को अवसरों से जोड़ती है। सड़क पहुँचती है तो बाजार पहुँचता है, एम्बुलेंस पहुँचती है, शिक्षक पहुँचते हैं और रोजगार के नए रास्ते खुलते हैं। जिन रास्तों पर कभी नक्सली बारूद बिछाते थे, आज उन्हीं रास्तों पर विकास की गाड़ी चल रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बस्तर तेसे आगे बढ़ रहा है। नक्सल हिंसा के कारण बंद पड़े 421 स्कूलों को फिर से खोला गया है। अबूझमाड़ और जगरगुण्डा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित करने के लिए बजट में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हमारा प्रयास है कि बस्तर के बच्चों को अपने क्षेत्र में ही अच्छी शिक्षा, आवासीय सुविधा और आगे बढ़ने का बेहतर वातावरण मिले।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बस्तर के सभी 32 विकासखण्डों में कौशल विकास केन्द्र प्रारम्भ किए गए हैं। बस्तर ओलम्पिक ने गाँव और जनजातीय अंचलों की खेल प्रतिभाओं को बड़ा मंच दिया है। बस्तर स्पण्डुम ने यहाँ की संस्कृति, लोककला, परम्परा और जनजातीय गौरव को नई पहचान दी है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने बस्तर स्पण्डुम की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और स्थानीय समुदायों के सशक्तीकरण के लिए महत्वपूर्ण बताया है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलाव साफ दिखाई देता है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत 34 लाख से अधिक स्वास्थ्य परीक्षण कर डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार की गई है। दूरस्थ क्षेत्रों में उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से सेवाएँ पहुँचाई जा रही है। जगदलपुर में स्थापित एनएचएस अस्पताल शुरू हुआ है और गौदम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना से बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाएँ समावेशी बनी हैं। हमारे वैचारिक अधिष्ठान के प्रणेता श्रद्धेय दीनदयाल उपाध्याय कहते थे कि राजनीति का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का विकास होना चाहिए। देश के प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी ने अन्त्यादय की विचारधारा को साकार रूप दिया है। उनके विजन पर चलते छत्तीसगढ़ सरकार ने नियद नेछनार योजना के जरिए बस्तर समेत छत्तीसगढ़ के सबसे दुर्गम गाँवों तक विकास का उजाला पहुँचाया है। सुरुक्षा शिविरों के 10 किलोमीटर के दायरे के 525 गाँवों में शासन के 17 विभागों का 43 हितग्राहीमूलक और सामुदायिक योजनाओं के माध्यम से लोगों को सुविधाओं से जोड़ा गया। एक महत्वपूर्ण बदलाव यह भी है कि सुरुक्षा शिविरों को शहीद वीर गुण्डापुर सेवा डेरा के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केन्द्रों से स्वास्थ्य, बैंकिंग, कृषि सहायता, कौशल विकास, आजीविका और दूसरी नागरिक सेवाएँ लोगों के नजदीक पहुँच रही हैं। छत्तीसगढ़ के विकास का अगला बड़ा आधार उसकी वन सम्पदा है। इमली, महुआ, सालबीज, चिरौंऔर अनेक वनौषधियाँ यहाँ के जनजातीय परिवारों की आजीविका से जुड़ी हैं। बस्तर और सरगुजा में कृषि एवं वन आधारित प्रसंस्करण इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बस्तर की दूसरी बड़ी ताकत पर्यटन है। चित्रकोट और तीरथगढ़ के जलप्रपात, कागेर घाटी, घने जंगल, गुफाएँ और अनूठी जनजातीय संस्कृति इसे प्रकृति और संस्कृति आधारित पर्यटन के लिए विशिष्ट बनाते हैं।

विश्व जनमत की स्वीकृति



भारत के अभिन्न अंगों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए, इस रख से देश को आश्वस्त करने के बाद सरकार को यह बताना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र इस भावना के खिलाफ क्यों गया? सोलहवीं सदी से इस्तेमाल हो रहे मकेंटर मानचित्र को बदलने के प्रस्ताव का संयुक्त राष्ट्र में समर्थन कर भारत ने उचित रख अपनाया। पुराना नक्शा जाहिरा तौर पर औपनिवेशिक नजरिए से तैयार किया गया था, जिसे बदलना विश्व बहुमत की जीत समझा जाएगा। यह बात संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान में भी जाहिर हुई, जहां सिर्फ अमेरिका ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। आम तौर पर उसके पीछे चलने वाले छह देशों ने तटस्थ रख अपनाया, जबकि भारत सहित 164 देशों ने मानचित्र बदलने का समर्थन किया। अतः बाद में जो हुआ, उसे नए नक्शे के समर्थन के भारत सरकार के फैसले से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह बेशक गहरे अफसोस की बात है कि बाद में संयुक्त राष्ट्र ने जो विश्व मानचित्र जारी किया, उसमें भारत की प्रादेशिक अखंडता का ख्याल नहीं रखा गया। इसमें जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान और चीन के साथ विवादित हिस्से के रूप में दिखाया

किसी वस्तु की कीमत

अधिक हो तो वह वस्तु न

खरीदे या फिर उसके

सस्ते विकल्पों की

तलाश करे।परंतु दवाओं

के मामले में यह पूरी

तरह लागू नहीं होता हैं

और यदि इसे निजी

अस्पतालों के संदर्भ में

देखें तो यह पूरी तरह

लागू ही नहीं होता।

गंभीर बीमारियों जैसे

कैंसर,हृदय

रोग,संक्रमण आदि की

दवाएं खरीदते समय

मरीज के पास या तो

बहुत ही सीमित विकल्प

होते हैं या फिर विकल्प

ही नहीं होते हैं। मरीज या

उसके परिजन यह नहीं

कह सकते कि दवाओं

की कीमत अधिक हैं

इसलिए कोई और सस्ती

दवाई दे दो या फिर दवा

सस्ती होने तक इलाज

को टाल सकते है।

शायद यही कुछ कारण

हैं जो दवा बाजार को

सामान्य बाजारों से

अलग करते हैं। इसमें

कोई दो राय नहीं कि

दवा निर्माता कंपनियों

को उचित लाभ कमाने

का अधिकार है।

दवाओं के एमआरपी और वास्तविक

बिक्री मूल्य में भारी अंतर, निजी अस्पतालों में महंगी दवाओं की मजबूरी और सीमित मूल्य-नियंत्रण के बीच सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है—जीवन बचाने वाली दवा मरीज की आर्थिक मजबूरी का सौदा कब तक बनी रहेगी?

22 सितंबर 2026 मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय में दवाओं की कीमतों (खरीद और बिक्री) में अल्यधिक अंतर और मूल्य नियंत्रण से जुड़ी एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की दो सदस्यीय पीठ ने दवाओं के मूल्य (एम आर पी) और (पी टी आर) में भारी अंतर पर चिंता व्यक्त की। इसमें याचिकाकर्ता किसान चंद्र जैन का आरोप था कि कुछ दवाओं,खासकर खासकर कैंसर की दवाओं का अधिकतम खुदरा मूल्य (एम आर पी) और थोक मूल्य (पी टी आर) में बहुत बड़ा अंतर है और निजी चिकित्सालय मरीजों को अपनी इन हाउस फार्मसी (चिकित्सालय परिसर में स्थित औषधि केंद्र) से महंगी दवाई खरीदने के लिए विवश करते हैं। इस सुनवाई में एक कैंसर की दवा को उदाहरण भी दिया गया,जिसे कथित तौर पर 2700 रुपए में दिया जा रहा था जबकि दवाई के पैक पर उसका मूल्य इससे दस गुना अधिक

27000 रुपए लिखा हुआ था एक अन्य उदाहरण भी दिया गया जिसमें टाइगबेक्स 50 एमजी पर कीमत 5635 लिखा हुआ था परन्तु मार्फेंट में वह दवाई मात्र 350 रुपए में उपलब्ध है। इसपर सर्वोच्च अदालत ने कहा कि सभी दवाओं को मूल्य नियंत्रण के दायरे में क्यों न लाया जाय और उन्हें जन औषधि केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराने की संभावना पर सवाल किया? इसपर केंद्र सरकार के अतिरिक्त सॉलिडियर जनरल के एम नटराज ने कहा कि सरकार का उद्देश्य दवाओं को सभी तक आसानी से पहुंचाना है। इसपर कोर्ट ने कहा कि मुद्दा केवल उपलब्धता का नहीं बल्कि उचित

कीमत पर उपलब्धता का है। इस मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर 2026 को है। कहना गलत न होगा कि देश से ही सही परन्तु देश के हर एक नागरिक फिर वो चाहे अमीर हो या गरीब से जुड़ा सवाल सर्वोच्च न्यायालय और याचिकाकर्ता के प्रयास से देश में आम चर्चा के केंद्र में अवश्य आ गया है । इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि आज के जीवन में दवाई हमारी मूलभूत आवश्यकताओं से कम नहीं है। इसका सीधा सरोकार देश के हर एक नागरिक से जुड़ा है फिर वो चाहे गरीब हो मध्यम वर्ग या फिर अमीर हो। बीमारी जब दरवाजे पर दस्तक देती है तो परिवार सबसे पहले उपचार के रास्ते खोजता है किंतु यदि दवाओं की कीमतें आसमान पर खड़ी हों तो परिवार की आर्थिक स्थिति सबसे पहले घुटने टेकती नजर आती है ।उस समय सवाल केवल महंगाई और महंगी दवाई का नहीं रह जाता है । सवाल यह होता है कि आखिर लोगों के हित के लिए बनाई गई चिकित्सालय मरीजों को इतनी दूर क्यों है? आखिर नीतियां तो लोगों और उनकी भलाई के लिए ही बनाई जाती हैं। क्या यह उचित है कि जीवन बचाने वाली दवाई की कीमत परिवार को कर्ज और आर्थिक संकट के अंधकार में धकेल दे। इस मामले पर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी ने न केवल आमजन मानस का ध्यान दवाओं की कीमत की तरफ आकर्षित कर दिया है बल्कि इससे होने वाले नुकसान पर भी चिंता व्यक्त की है। निश्चित ही यह बहस किसी एक दवा निर्माता कंपनी, किसी एक चिकित्सालय या फिर किसी एक चिकित्सक द्वारा परामर्श की गई दवाई तक सीमित नहीं होनी चाहिए। सवाल उस पूरी व्यवस्था से है जिसमें दवाई मरीज तक कंपनी से निकलकर मरीज तक पहुंचने के दौरान उस दवाई की कीमत कई स्तरों से गुजरती है जिसका अंतिम भुगतान मरीज को करना होता है। जबकि यह भी सर्वविदित है कि दवा कोई सामान्य उपभोग की वस्तु नहीं है इसका सीधा सरोकार उस परिवार से हैं जो पहले

अलग निजी अस्पतालों के परिसरों में स्थित औषधि केंद्रों पर दवा की कीमत पूरे एम आर पी पर होगी जबकि बाजार में उपलब्ध मेडिकल स्टोर पर कीमत अलग ।दवाओं पर जो मूल्य लिखा होता है उसमें और बिक्री में भी भारी अंतर दिखेगा। ऐसे में यह सवाल उठता है कि आखिर दवाओं की बिक्री पर जो नियम बनाए गए हैं वह डावा कंपनियों के लिए बनाए गए हैं,वितरक , थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता या फिर अस्पताल के ही हितों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं क्योंकि इसमें कहीं भी मरीज का हित दूर दूर तक नजर नहीं आता और प्रधानमंत्री जन औषधि केंद अभी पर्याप्त नहीं हैं और जहां उपलब्ध हैं वहां भी गंभीर बीमारियों की औषधियां भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।इसमें भी कोई दो राय नहीं कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई जन औषधि केंद्रों की व्यवस्था ने मरीजों को राहत दी है।परंतु दवाओं के परामर्श में भी कई चिकित्सक ऐसी ही दवाओं का सुझाव देते हैं जो कि बड़ मुनाफा देती हो और कुछ चुनिंदा मेडिकल स्टोर पर ही उपलब्ध हों ।मरीज जैसे ही दवा लिखा पर्चा औषधि केंद्रों पर दिखाता है उस समय औषधि केंद्रों के पास भी मना करने के अलावा विकल्प नहीं होता है। क्योंकि मरीज को वापस फिर दवाई दिखाने संबंधित चिकित्सक के अटेंडेंट के पास जाना होता है। अब मरीज के पास एक ही विकल्प बचता है कि वह उसी तय औषधि केंद्र से दवाई खरीदे। भारत जैसे विशाल देश में जहां आमदनी और चिकित्सा सेवाओं के बीच बड़ी असमानता है इसलिए दवाओं की कीमतों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। दवाओं की कीमतों पर बहस समय समय पर होती रही है फिल्ट अभिनेता आमिर खान के चर्चित टीवी शो सलमेव जयते पर इसी विषय पर देश के कई ख्याति प्राप्त चिकित्सकों ने भी सवाल उठाए थे। जब उन्होंने जेनेरिक दवाओं के विकल्प पर जोर दिया जिससे की मरीज पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम किया जा सके।

धर्मेश चौधरी

जब दवा महंगी हो जाए तो जिंदगी कितनी सस्ती?

विविध

आज का राशिफल

से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं जो कोई बिजनेस करने की सोच रही हैं उनके लिए आज का दिन अच्छा है। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अनस्था वह काम दोबारा करना पड़ सकता है। अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय ईश्वर की आराधना के लिए निकालने से आपका मन शांत रहेगा।

किसी दोस्त से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आईडिया मिल सकते हैं। आप उन पर जल्द ही काम भी शुरू कर सकते हैं।
शुभ रां- लाल
शुभ अंक- 5
वृश्चिक राशि- आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए

अबूझमाड़ के बीहड़ों में सेवा संकल्प की अलख - पीएम जनमन एमएमयू बनी अतिम व्यक्ति की संजीवनी

विष्णु प्रसाद वर्मा,
सघन वन, ऊंचे-नीचे पहाड़ और कटिन भौगोलिक परिस्थितियों से घिरा छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले का अबूझमाड़ अंचल अब बदलाव की एक नई इबारत लिख रहा है। जहाँ कभी अस्पताल पहुंचना ग्रामीणों के लिए एक कठिन चुनौती हुआ करता था, वही आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं उम्मीद की नई किरण बनकर पहुंची हैं। नारायणपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान की मोबाइल मेडिकल यूनिट दूरस्थ वनांचल में रहने वाले आदिवासियों के जीवन में स्वास्थ्य और विश्वास का संचार कर रही है।

01 जनवरी से 07 सितंबर 2026 के बीच पीएम जन्मन मोबाइल मेडिकल यूनिट ने नारायणपुर और ओरछा विकासखंड के अत्यंत दूरस्थ गांवों में कुल 315 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए। इस दौरान 7,093 जरूरतमंद ग्रामीणों तक निशुल्क जांच, इलाज और परामर्श की सुविधा पहुंचाई गई, जिनमें 6,944 हितग्राही विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के शामिल हैं।

इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि ग्रामीणों को एक ही स्थान पर जांच से लेकर इलाज तक की संपूर्ण सुविधा मिली। शिविरों के माध्यम से 5,440 डायग्नोस्टिक टेस्ट, 3,744 हडपर्टेशन स्क्रीनिंग (जिसमें 3,663 पीवीटीजी), 1,685 मलेरिया एवं डेंगू जांच तथा 1,683 डायबिटीज जांच (1,651 पीवीटीजी) संपन्न की गई। इसके साथ ही सिकल सेल की 1,136 जांच में 1,118 पीवीटीग्रामीण लाभान्वित हुए। महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए 1,457 ग्रामीणों की एनीमिया जांच की गई, 1,179 लोगों को आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट दिया गया और 244 गर्भवती महिलाओं को एनएसई सेवाएं प्रदान की गईं। टीबी और नेत्र स्वास्थ्य जांच के अलावा गंभीर स्थिति वाले 39 मरीजों को तत्काल पहचान कर उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया गया।

एमएमयू ने अस्पताल और मरीज के बीच की भौगोलिक दूरी को मिटाकर स्वास्थ्य सेवाओं को सीधे आदिवासियों के घर-द्वार तक पहुंचा दिया है। इससे ग्रामीणों के समय, श्रम और धन की भारी बचत हो रही है तथा बीपी, शुगर और सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर उनका त्वरित इलाज संभव हो पा रहा है।

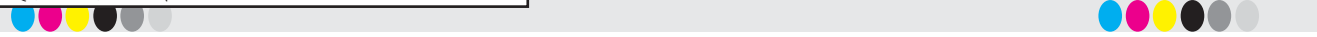
प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। अबूझमाड़ के ग्रामीणों ने अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की इस सुलभ पहुंच के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। सेवा संकल्प अभियान केवल एक चिकित्सीय प्रक्रिया न होकर संवेदनशीलता और समर्पण का वह आधार बन चुका है, जो बस्तर के सुदूर वनांचल को एक स्वस्थ और सशक्त भविष्य की दिशा में आगे बढ़ा रहा है।

लेखक सहायक संचालक, सहायक संचालक हैं

पक्के आशियानों से संवर रही जिंदगी खुशहाल जीवन का मिला नया आधार



हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना ऐसा घर हो, जहां परिवार सुरक्षित वातावरण में रह सके और मौसम की चुनौतियों की चिंता न हो। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इस सपने को पूरा करने में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को आवास निर्माण के लिए सहायता मिल रही है, जिससे कच्चे और अमरुक्षित मकानों से निकलकर अनेक परिवार अपने पक्के आशियाने में पहुंच रहे हैं। शहरों में योजना से लाभान्वित परिवारों के अनुभव बताते हैं कि पक्का मकान मिलने से उनके रहन-सहन में सकारात्मक बदलाव आया है। कोरबा के पोड़ीबहार निवासी आनंद राम लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहे थे। बारिश के दिनों में टपकती छत, सीलन और जहरीले जीव-जंतुओं का डर परिवार की परेशानी बढ़ाता था। आवास स्वीकृत होने और किरतों में सहायता प्राप्त होने के बाद उन्होंने निर्माण शुरू किया। आज उनका पक्का घर परिवार को सुरक्षा और सुकून दे रहा है। वे इसे अपने परिवार के बेहतर भविष्य की नींव बताते हैं। कोसाबाड़ी की श्रीमती ललिता रजक ने भी बरसों से पक्के घर का सपना संजोया था। खराब आर्थिक परिस्थितियों के कारण मकान निर्माण कटिना था। योजना के सहयोग से उनका यह सपना पूरा हुआ और परिवार को स्थायी आवास के साथ सुरक्षा, सुविधा एवं आत्मविश्वास का अनुभव मिला। वे अपने पक्के घर को परिवार की खुशियों और सुरक्षित भविष्य का आधार मानती हैं। काशीनगर निवासी श्रीमती गुंजा साहू का परिवार भी लंबे समय तक कच्चे मकान में रहा। बारिश के दौरान पानी टपकने और सीलन की समस्या के साथ सांप-बिच्छुओं का डर बना रहता था। पीएम आवास (शहरी) 2.0 के तहत उन्हें तीन किरतों में लगभग 2.50 लाख रुपये की सहायता मिली। अपनी बचत राशि के साथ उन्होंने पक्के मकान का निर्माण पूरा किया। आज उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में सुकून से रह रहा है। छुरीकला नगर पंचायत के सुनील कुमार तिवारी के परिवार की कहानी भी आवास योजना से आए बदलाव को सामने रखती है। वे मिट्टी से बने दो कमरों के मकान में पत्नी और बेटे के साथ रहते थे। सीमित आय के बीच पक्का मकान बनाना कठिन था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2.26 लाख रुपये की स्वीकृत लागत में केंद्राश्र और राज्यांश की सहायता प्राप्त हुई, जिसके बाद उनका पक्का घर तैयार हुआ। वे कहते हैं कि योजना ने उनके परिवार को सुरक्षित आवास के साथ बेहतर भविष्य की उम्मीद दी है। पथरौपारा निवासी सनातन प्रसाद पाठक भी पहले कच्चे मकान में रहते थे। टेका मजदूरी से परिवार का भरण-पोषण करने वाले पाठक के लिए हर बारिश चिंता लेकर आती थी। योजना का लाभ मिलने के बाद उनका पक्का मकान तैयार हुआ और परिवार को मौसम की परेशानियों से राहत मिली। इसी क्षेत्र के धरम लाल धुव के परिवार ने भी योजना के सहयोग से अपना पक्का घर बनाया। उनका कहना है कि मजबूत छत और दीवारों वाले घर में अब परिवार सुरक्षित और सुकून से रह रहा है। लाभार्थी परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति योजना के संचालन तथा जरूरतमंद परिवारों तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि आवास निर्माण के लिए मिली सहायता ने उनके वर्षों पुराने सपने को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से नगरीय निकायों के आर्थिक रूप से कमजोर अनेक परिवारों को आवास निर्माण का सहारा मिल रहा है। किसी के लिए एमएमयू या और व्षांतुराने सपने का पूरा होना है, तो किसी के लिए परिवारों की सुरक्षा यह वर्षों पुराने की नई शुरुआत। पक्के आशियाने के साथ इन परिवारों के जीवन में सुविधा, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद जुड़ रही है।



स्वस्थ मां, सुपोषित बच्चा नव बहराइच का सच्चा आधार



संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 25 सितम्बर। जनपद में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत बाल विकास एवं पुष्टहार विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण को लेकर निरंतर जागरूकता एवं सेवा कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं तथा बच्चों को आवश्यक पोषण

सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के साथ परिवारों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को पोषण आहार उपलब्ध कराने के साथ गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को संतुलित और पोष्टिक आहार लेने, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा समय से

टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं छह वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं समुचित शारीरिक तथा मानसिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विभागीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर संपर्क कर परिवारों को पोषण के महत्व की जानकारी दी जा रही है। महिलाओं को बताया जा रहा

है कि गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त एवं पोष्टिक भोजन लेने से मां के स्वास्थ्य के साथ गर्भस्थ शिशु के विकास पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। धात्री माताओं को शिशु को जन्म के बाद शीघ्र स्तनपान कराने तथा निर्धारित अवधि तक केवल स्तनपान कराने के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही बच्चों को उम्र के अनुसार पूरक आहार देने, साफ-सफाई रखने और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए परिवारों को प्रेरित किया जा रहा है। अभियान के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा कुपोषण के संभावित मामलों की पहचान कर आवश्यक परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है। विभाग का उद्देश्य केवल पोषण आहार उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि परिवारों में पोषण संबंधी व्यवहार में स्थायी सुधार लाना भी है, ताकि बच्चों में कुपोषण की स्थिति को रोका जा

सके और उन्हें स्वस्थ वातावरण मिल सके। अधिकारियों द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया है कि शासन द्वारा संचालित पोषण एवं मातृ-शिशु कल्याण योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक समय से पहुंचाया जाए। साथ ही लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी देकर उनके प्रभावी क्रिया-व्ययन की निगरानी की जाए। विभाग द्वारा लोगों से अपील की जा रही है कि गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और छोटे बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को परिवार की प्राथमिकता बनाएं तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र अथवा स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। ‘स्वस्थ मां, सुपोषित बच्चा’ की अवधारणा को साकार करने के लिए चलाया जा रहा यह अभियान ग्रामीण परिवारों में पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

मंगलसूत्र लूटने वाले दो बदमाश मुठभेड़ में दबोचे, एक के पैर में लगी गोली

बहराइच ब्यूरो 25 सितंबर। थाना फखरपुर क्षेत्र में ई-रिक्शा सवार महिला से मंगलसूत्र छीनने की वारदात का पुलिस ने 72 घंटे के भीतर खुलासा करारें हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 24 सितंबर की देर रात काइम बांच की स्वाट टीम और फखरपुर



के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस टीमों को लगाया था। जांच के दौरान ट्रैफिक इंटरसेप्टर मोबाइल के कैमरों से प्राप्त तस्वीरें, यक्ष ऐप और मुखबिर तंत्र के जरिए पुलिस को आरोपियों के बारे में अहम जानकारी मिली। पुलिस ने दोनों की पहचान गोंडा निवासी सगे भाइयों सलमान और आरिफ के रूप में की और उनकी तलाश शुरू कर दी। इसी बीच 24 सितंबर की रात मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों बदमाश मोटरसाइकिल से दिबियापुर की ओर से भागल चौराहे की तरफ आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम गांधी घाट भागल गांव के पास पहुंची, जहां सामने से बाइक पर सवार दो सदिश्च आते दिखाई दिए। पुलिस ने रुकने का संकेत दिया तो आरोपियों में से एक ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस का कहना है कि आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान सलमान के दाहिने पैर में गोली लगी और वह मौके पर गिर पड़ा, जबकि भागने का प्रयास कर रहे दूसरे आरोपी आरिफ उर्फ तस्लीम को पुलिस ने दौड़कर गिरफ्तार कर लिया। घायल सलमान पुत्र सलीम निवासी उज्जैनी जमाल, मौजा फामदपुर, थाना कोतवाली देहात, जनपद गोंड, हाल निवासी नाजीरपुर, थाना कोतवाली नगर, बहराइच को इलाज के लिए सीएचसी फखरपुर भेजा गया। दूसरे आरोपी की पहचान आरिफ उर्फ तस्लीम पुत्र सलीम निवासी उपरोक्त के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के पास से 12 बोर का देशी तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, चोरी की काले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट यूपी 43 एन 8838 लगी थी, तथा पीली धातु का एक मंगलसूत्र बरामद किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों का आधा दर्जन से अधिक मुकदमों का अपराधिक इतिहास है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मामले में अन्य वैधानिक कार्रवाई पुलिस द्वारा की जा रही है।

बारिश में भी प्रशासन मुस्तैद, एसडीएम ने विसर्जन घाटों का लिया जायजा

संवाददाता मिर्हीपुरवा,बहराइच ब्यूरो 25 सितंबर। गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। शुक्रवार



को तेज बारिश के बीच उपजिलाधिकारी मिर्हीपुरवा मोनालिसा जौहरी ने क्षेत्राधिकारी मिर्हीपुरवा पट्टप सिंह एवं अन्य अधिकारियों के साथ गायघाट स्थित सरयू नदी टट सहित आदि तट का निरीक्षण किया। एसडीएम ने घाटों पर पहुंचकर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, श्रद्धालुओं के आवागमन तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखी जाए तथा नदी के किनारे विशेष सतर्कता बरती जाए। इसके साथ ही उन्होंने बारिश को देखते हुए फिसलन वाले स्थानों, जलभराव तथा आवागमन में आने वाली संभावित दिक्कों को दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद एसडीएम ने क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित एवं जलभराव वाले इलाकों का भी दौरा किया। उन्होंने मौके पर जलभराव की स्थिति तथा लोगों के आवागमन की जानकारी ली और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लगातार रहे रही बारिश के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई की जाए तथा आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न होने दी जाए। एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विसर्जन से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

26 सितम्बर को कक्षा आठ तक के सभी विद्यालयों में शिक्षण कार्य रहेगा स्थगित

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 25 सितंबर। जनपद में हो रही भारी वर्षा और मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के महेंजत्र 26 सितंबर 2026 को कक्षा एक से आठ तक के सभी विद्यालयों में शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जनपद में संचालित समस्त परिषदीय विद्यालय, सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त विद्यालय, सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड के विद्यालय, मदरसे तथा अन्य बोर्ड से संचालित कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों में 26 सितंबर को शिक्षण कार्य स्थगित रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने सभी संबंधित विद्यालय प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

खण्ड शिक्षक निर्वाचन-2026 के लिए एम.सी.एम.सी. गठित

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 25 सितम्बर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद निर्वाचन के अन्तर्गत गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन-2026 को दृष्टिगत रखते हुए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पेड-न्यूज के मापदण्डों के निर्धारण एवं मीडिया में प्रकाशित-प्रसारित होने वाली निर्वाचन संबंधी सामग्री की निगरानी के लिए जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी बहराइच राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा मीडिया प्रमाणन एवं अनुश्रवण कमेटी (एम.सी.एम.सी.) का गठन किया गया है। गठित कमेटी में मुख्य राज्यस्व अधिकारी सौरभ दुबे, उप जिलाधिकारी सरदर अमन देओल, उप जिलाधिकारी नानपारा प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी पयागपुर संजय कुमार पाण्डेय, उप जिलाधिकारी कैसरगंज

तारा महिला इंटर कॉलेज में छात्राओं को पॉक्सो कानून की दी गई जानकारी



संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 25 सितम्बर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच की ओर से जनपद न्यायाधीश के निर्देशानुसार पॉक्सो अधिनियम-2012 के प्रति विद्यार्थियों एवं आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विनोद कुमार यादव के तत्वावधान में आयोजित अभियान के

दौरान विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों, अपराधों के कानूनी परिणामों तथा संकट की स्थिति में उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। अभियान के तहत तारा महिला इंटर कॉलेज में प्रातःकालीन सभा के दौरान छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों एवं इसके तहत निर्धारित दंडात्मक कार्रवाई के बारे में सरल भाषा में

गर्भवती महिलाओं की होगी टीबी स्क्रीनिंग, बलहा और हुजूरपुर में पायलट प्रोजेक्ट शुरू



संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 25 सितम्बर। जिले में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा टीबी उन्मूलन अभियान को गति देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। अब पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की प्रत्येक प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) के दौरान टीबी यानी क्षयरोग की स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से की जाएगी। इसके लिए ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड के सहयोग से जनपद के बलहा और हुजूरपुर विकासखंड में पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया है। परियोजना की शुरुआत करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि गर्भवती महिलाओं में टीबी की समय से पहचान कर उन्हें तत्काल उपचार उपलब्ध कराना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या की समय पर पहचान बेहद महत्वपूर्ण होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब प्रत्येक एएनसी विजिट के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा

गर्भवती महिलाओं में टीबी से संबंधित संभावित लक्षणों की स्क्रीनिंग की जाएगी। यदि किसी महिला में टीबी के लक्षण पाए जाते हैं तो उसकी आवश्यक जांच तत्काल कराई जाएगी और रोग की पुष्टि होने पर उपचार शुरू किया जाएगा। गंभीर अथवा जटिल स्थिति में महिला को उच्च स्वास्थ्य केंद्र के लिए रेफर भी किया जाएगा। सीएमओ ने बताया कि अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों को टीबी की

स्क्रीनिंग, जांच, उपचार, फॉलोअप तथा अभिलेखीकरण के संबंध में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। अभियान के दौरान गर्भवती महिलाओं की जांच और उपचार से जुड़ी प्रत्येक महत्वपूर्ण जानकारी आरसीएच यानी प्रोडोक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ तथा ई-कवच पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। डिजिटल माध्यम से रिकॉर्ड सुरक्षित रहने से गर्भवती महिलाओं की जांच, उपचार और फॉलोअप की नियमित निगरानी संभव होगी। साथ ही किसी महिला में टीबी के लक्षण पाए जाने के बाद उसकी जांच और उपचार की स्थिति की भी जानकारी संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को उपलब्ध रहेगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस पहल से मातृ स्वास्थ्य सेवाओं और राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा संभावित टीबी रोगियों की पहचान शुरूआती स्तर पर किए जाने में मदद मिलेगी। पायलट प्रोजेक्ट के अनुभवों के आधार पर आगे इसकी प्रभावशीलता का आकलन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एम.एल. वर्मा, ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट के राज्य एवं जिला स्तरीय प्रतिनिधि, डीएचईआईओ बृजेश सिंह, डीपीएम मो. राशिद सहित बलहा और हुजूरपुर ब्लॉक के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

25 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलेगा विशेष पॉक्सो जागरूकता अभियान

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 25 सितम्बर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच के सचिव विनोद कुमार यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बहराइच के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार विद्यार्थियों एवं आमजन को पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रावधानों तथा इसके कानूनी परिणामों की जानकारी देने के लिए 25 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक विशेष पॉक्सो जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों, विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को पॉक्सो कानून की सरल एवं सही जानकारी उपलब्ध कराना तथा अज्ञानता के कारण होने वाले अपराधों और उनके गंभीर कानूनी परिणामों से अवगत कराना है। अभियान के दौरान विद्यालयों की प्रातःकालीन सभाओं में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों, बाल अधिकारों एवं कानूनी परिणामों की जानकारी दी जाएगी। वहीं 02 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर प्रभात फेरी, जागरूकता शिविर, नुकड़ नाटक और चित्रकला प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिन्हें न्यायिक अधिकारी, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, शिक्षक, पैनाल अधिकारी, पारिविधिक स्वयंसेवक, विधि विद्यार्थी तथा अन्य संबंधित हितधारक सहभागिता करेंगे। अभियान में विद्यार्थियों और अभिभावकों को बताया जाएगा कि 18 वर्ष से कम आयु का प्रत्येक व्यक्ति कानून की दृष्टि में बालक है तथा पॉक्सो मामलों में बच्चे की सहमति को कानूनी बचाव नहीं माना जाता। इसके साथ ही लैंगिक अपराधों के लिए निर्धारित दंडात्मक प्रावधानों, बाल विवाह के कानूनी निषेध तथा संकट की स्थिति में उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। आमजन को यह भी समझाया जाएगा कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे के साथ लैंगिक संबंध या अन्य लैंगिक अपराध कानून के दायरे

सक्षित खबरें...

भारी बारिश का रेड अलर्ट, प्रशासन ने जारी की सावधानी बरतने की अपील

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 25 सितंबर। सचेत ऐप से प्राप्त मौसम संबंधी जानकारी के अनुसार 25, 26 एवं 27 सितंबर 2026 तक बहराइच समेत बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती एवं सिद्धार्थनगर जनपदों में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान गरज-चमक के साथ तेज बारिश तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से हवाएं चलने की संभावना है, जबकि शौकों के साथ हवा की गति 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग के रेड अलर्ट को देखते हुए जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से जलभराव वाले स्थानों, नदियों एवं अन्य जल स्रोतों के आसपास न जाएं। विशेष रूप से छोटे बच्चों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए उन्हें नदियों, नालों, गड्ढों, तालाबों तथा अन्य जल स्रोतों के पास न जाने दें। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी भी संभावित खतरों की स्थिति में सावधानी बरतते हुए स्थानीय प्रशासन को सूचना दें।

गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर डीएम-एसपी ने झिंगहा घाट का किया निरीक्षण

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 25 सितंबर। गणेश प्रतिमा विसर्जन को सक्रुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने शुक्रवार को झिंगहा घाट पहुंचकर विसर्जन स्थल तथा आसपास की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घाट पर पहुंचकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम एवं एसपी ने घाट पर भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सुरक्षा प्रबंध तथा श्रद्धालुओं के आवागमन से जुड़ी व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। अधिकारियों



ने निर्देश दिया कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए। उन्होंने पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा घाट पर लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि विसर्जन स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। वहीं एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने, बीड़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने तथा यातायात व्यवस्था में सुधार बचाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि विसर्जन के दौरान निर्धारित स्थानों पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन कराया जाए और सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन हो। प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने तथा आपसी समन्वय से तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्र, क्षेत्राधिकारी महसी पवन कुमार सहित संबंधित राजस्व अधिकारी, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

घरेलू गैस से छोटे सिलेंडरों में रिफिलिंग का खुलासा, दुकानदार पर एफआईआर

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 25 सितंबर। जिला पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने शिवपुर क्षेत्र के इमामगंज बाजार स्थित एक दुकान पर छापेमारी कर घरेलू गैस सिलेंडर से छोटे सिलेंडरों में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग किए जाने का मामला पकड़ा। जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी ने बताया कि मंगलवार को पूर्ति निरीक्षक नवाबगंज, शिवपुर एवं बलहा तथा आपूर्ति लिपिक तहसील।

नानपारा की संयुक्त टीम ने पुलिस चौकी बरदहा के निकट इमामगंज बाजार स्थित परी जनरल स्टोर एवं गिफ्ट सेंटर पर छापेमारी की। जांच के दौरान दुकान संचालक विजय कुमार पुत्र राम सरन द्वारा 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले घरेलू गैस सिलेंडर में रेग्युलेटर पाइप लगाकर रिफिलिंग मशीन के माध्यम से पांच किलोग्राम क्षमता वाले छोटे सिलेंडर में गैस भरी जा रही थी। मौके से एचपी कंपनी का एक खाली घरेलू गैस सिलेंडर, डेडन कंपनी के दो खाली घरेलू गैस सिलेंडर तथा भारत गैस का एक आधा भरा घरेलू सिलेंडर बरामद हुआ। इसके अलावा गैस रिफिलिंग के पांच नाजिल/उपकरण, पांच किलोग्राम

स्वामी, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिंग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊसे मुद्रित करवाकर कार्यालय एच०आई०जी०-ए10/2, टिकैत राय, एल०डी०ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-17 से प्रकाशित । सम्पादक: अवंतिका देवेन श्याम मो०नं०-9580629657 Email-yugsrishti02gmail.com, https://yugsrishti.com/info@yugsrishti.com , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।





इश्कनामा में काम के अनुभव को लेकर बोलीं शहनाज गिल, ऐसे अनुभव खुद को बेहतर बनाते हैं

मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल की आने वाली फिल्म %इश्कनामा% का टीजर रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। यह फिल्म एक इमोशनल इंडो-पाक लव स्टोरी पर बेस्ड है, जिसमें प्यार, जुदाई और सीमाओं के बीच अधूरे रिश्तों की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान में हुई है। टीजर को चंडीगढ़ के एक इवेंट में रिलीज किया गया। इस दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों ने आईएनएस संग अपने अनुभव साझा किए। अभिनेता सौरभ सचदेवा ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, %जब मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए पहली बार संपर्क किया गया, तो मैंने साफ बता दिया था कि मैंने कभी पंजाबी फिल्म में काम नहीं किया है। लेकिन, इसकी कहानी ने मुझे इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा अवसर है, जिसे मैं छोड़ना नहीं चाहता था। मैंने बिना ज्यादा सोच-विचार के इस फिल्म के लिए हां कर दी।%% उन्होंने आगे कहा, %%फिल्म के सेट पर सभी कलाकार और क्रू मेंबर्स एक-दूसरे के साथ खुलकर विचार साझा करते थे। किसी भी सीन या आइडिया पर चर्चा करने की पूरी आजादी थी, जिससे क्रिएटिविटी और भी बेहतर तरीके से सामने आई। इस तरह का माहौल किसी भी फिल्म को खास बना देता है, क्योंकि इससे काम करने में आसानी और खुशी दोनों मिलती हैं।%% अभिनेता जय रंधावा ने भी फिल्म की कहानी और शूटिंग अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, %%फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान जैसे दो अलग-अलग स्थानों पर की गई है, जिससे कहानी को असली जैसा बैकड्रॉप मिला। यह फिल्म एक इंडो-पाक लव स्टोरी पर आधारित है और बॉर्डर पार प्यार की भावना को दर्शाती है। यह कहानी पंजाबी सिनेमा में पहली बार इस तरह के बड़े और अलग दृष्टिकोण के साथ पेश की जा रही है। यह फिल्म %बॉर्डरनामा% नामक नॉवेल पर आधारित है। इनके अलावा, अभिनेत्री शहनाज गिल ने अपने किरदार और फिल्म को लेकर आईएनएस से विचार साझा किए। उन्होंने कहा, %%अच्छे कलाकारों के साथ काम करना हमेशा सीखने का मौका देता है और ऐसे अनुभव से कलाकार खुद को बेहतर बना पाते हैं। मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूँ, जो ज्यादा अर्थपूर्ण हों, ताकि अभिनय में और गहराई लाई जा सके।%% शहनाज ने कहा, %%मैं फिल्म में एक पाकिस्तानी लड़की का किरदार निभा रही हूँ, जिसका नाम टोरी है। वह बहुत ही मजबूत और साहसी लड़की है, जो अपने प्यार को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।



एक शहर, दो यार : रश्मिका दिखाएंगी कृति को असली वाला बेंगलुरु, कॉकटेल 2 के प्रमोशन में फुल ऑन मस्ती

मुंबई अगर कॉकटेल 2 दोस्ती, प्यार, यादगार पल और उन लोगों की कहानी है जो हर एडवेंचर को खास बना देते हैं, तो अब बेंगलुरु भी अपना छोटा सा कॉकटेल मोमेंट जीने वाला है। रश्मिका मंदाना अपनी को-स्टार कृति सेनन को अपने होमटाउन का एक खास दर्शन करवाएंगी—पूरे दिन के लिए बनेगी कृति की लोकेशन बेंगलुरु माचा (यानी लोकल गाइड + बेस्ट फ्रेंड कम्बाइन)। फेवरेट कॉफी अंडर से लेकर आइकॉनिक साउथ इंडियन खाने की जगह तक, और वो लोकल फेवरेट्स जो हर टूरिस्ट गाइड में नहीं मिलते—रश्मिका कृति को दिखाने वाली हैं अपना वाला बेंगलुरु, जैसा वो खुद चलने और प्यार करती हैं। क्या वो अपने पुराने हैंगआउट्स पर रुकेंगे? या उन जगहों पर रुकेंगी जो रश्मिका की जर्नी को आकार दिया? या फिर रास्ते में कोई छुपा हुआ फूड जेम मिल जाएगा?

प्लान पूरा सीक्रेट है भाई! जैसे कॉकटेल 2 दोस्ती की उन कहानियों को सेलिब्रेट करता है जो जिंदगी की बेस्ट स्टोरी बन जाती हैं, वैसे ही ये बेंगलुरु ट्रिप भी होगी—दोस्त की नजर से शहर को एक्सप्लोर करने वाली। ना कोई टूरिस्ट चेकलिस्ट, ना फिक्स रूट—बस दो दोस्त, एक शहर और ढेर सारे अनपेक्षित पल।

कॉकटेल 2 के प्रमोशन के दौरान, रश्मिका और कृति की ऑफ-स्क्रीन दोस्ती भी फैंस और मीडिया के बीच काफी चर्चा में रही है। उनकी मस्ती भरी नोकझोंक, इवेंट्स के दौरान के कैडिड मोमेंट्स और एक-दूसरे के लिए उनका जेन्युइन प्यार—ये सब मिलकर इस जोड़ी को कैपेन का सबसे प्यारा हिस्सा बना चुके हैं।

उपभोक्ता श्रेणी से बाहर बिजनेस लोन लेने वाले



एक कंपनी और बैंक के बीच विवाद के मामले में सुप्रीम कोर्ट निर्णय दिया कि बैंक से बिजनेस लोन लेने वाले संस्थान उपभोक्ता की श्रेणी में नहीं आते, बल्कि वे लाभार्थी कहलाएंगे और उन्हें उपभोक्ता नहीं माना जा सकता। ऐसी संस्थाएं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ता आयोग में शिकायत नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि जिन संस्थाओं ने लाभ कमाने के लिए बैंकों से बिजनेस

लोन लिया है, वे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत एक 'उपभोक्ता' के रूप में बैंक के खिलाफ उपभोक्ता आयोग का दरवाजा नहीं खटखटा सकते। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बनाम एड ब्यूरो एडवर्टाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड के विवाद की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने माना कि बैंक से बिजनेस लोन लेने वाले संस्थान उपभोक्ता की श्रेणी में नहीं आते, बल्कि वे लाभार्थी कहलाएंगे और उन्हें उपभोक्ता नहीं माना जा

सकता। इसलिए ऐसे संस्थान उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ता अदालत में न्याय के लिए नहीं जा सकते। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने अपने फैसले में कहा, 'इस मामले में प्रतिवादी एड ब्यूरो एडवर्टाइजिंग को 'उपभोक्ता' नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि उसने बैंक से प्रोजेक्ट लोन लेकर लाभ हासिल किया है और उसकी गतिविधियां इस लेन-देन में लाभ कमाने वाली रही हैं।' सुप्रीम

कोर्ट ने माना कि वास्तव में, इस प्रोजेक्ट लोन के जरिए कंपनी का उद्देश्य 'कोचादइयां' फिल्म के सफल पोस्ट-प्रोडक्शन पर लाभ कमाना था। साल 2014 में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने एड ब्यूरो एडवर्टाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड को 10 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट लोन दिया था। यह लोन मशहूर अभिनेता रजनीकांत के अभिनय वाली फिल्म 'कोचादइयां' के पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए था, जिसके बदले एक संपत्ति को गिरवी रखा गया था। बाद में कंपनी समय पर लोन नहीं चुका सकी। इस वजह से बैंक ने 2015 में कंपनी के लोन खाते को एनपीए घोषित कर दिया। बाद में बैंक ने सरफेसी अधिनियम और ऋण वसूली अधिनियम के तहत वसूली की कार्यवाही शुरू की और अंततः कंपनी के साथ 3.56 करोड़ रुपये का एकमुश्त समझौता हो गया। इस समझौते के बावजूद, बैंक ने नोटिड इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ऑफ इंडिया लिमिटेड अर्थात सिविल को मेसर्स एड ब्यूरो को गलत तरीके से डिफॉल्टर के रूप में रिपोर्ट कर दिया, जिससे कंपनी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा और वित्तीय नुकसान भी हुआ। जिस कारण कंपनी को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ एक विज्ञापन निविदा का नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि कंपनी डिफॉल्टर होने की वजह से बैंक गारंटी पेश नहीं



क्या आप जानते हैं, किसके साथ फोटो विलक करवाने के लिए आतुर हैं ओरी?

मुंबई बॉलीवुड सुपरस्टार्स, ग्लोबल सेलिब्रिटीज और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कई बड़े नामों के साथ तस्वीरें खिंचवा चुके ओरी ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। अपने सिग्नेचर पोज, बेबाक अंदाज और वायरल सोशल मीडिया मौजूदगी के चलते वह इंटरनेट की सबसे चर्चित हस्तियों में से एक बन चुके हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में ओरी से मजेदार सवाल पूछा गया कि इतने सारे सितारों के साथ तस्वीरें लेने के बाद अब वह किसके साथ फोटो विलक करवाना चाहेंगे। बिना देर किए उन्होंने जवाब दिया कि उनकी विशलिस्ट में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे ऊपर हैं। अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में ओरी ने कहा कि वह इस मुलाकात को पहले से ही «मैनिफेस्ट» कर रहे हैं और उन्हें पूरा भरोसा है कि जिस पीएम को वह मैनिफेस्ट कर रहे हैं, वह उन्हें जानते भी हैं। बातचीत तब और दिलचस्प हो गई जब उनसे पूछा गया कि अगर कभी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात हुई तो वह क्या पहनेंगे। ओरी ने पूरे उत्साह के साथ इस कल्पना को आगे बढ़ाया और अपने खास हास्य अंदाज से सभी को हंसा दिया। उनके जवाबों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह साधारण बातचीत को भी वायरल पल में बदलने का हुनर रखते हैं।

यादगार उत्सव बन जाता है आत्मीय अहसासों का सफर



साथ घूमना केवल जगहें देखना नहीं, बल्कि अपनेपन की अनुभूति का उत्सव होता है। जो आपसी समझदारी से जीवन भर के लिए एक

खुबसूरत याद बन सकता है। इससे आपसी जुड़ाव और सामंजस्य बढ़ता है। सफर में एक साथ घूमना, रहना, खाना, पीना, मस्ती और ढेर सारी

सेल्फी। ये सब ज़िंदगी की एल्बम में रंग भर देते हैं। आपने गौर किया होगा कि जब आप अपनी दोस्तों या फिर घर के सदस्यों

के साथ मिलकर कुछ करती हैं तो वह काम कब खत्म हो जाता है पता ही नहीं चलता। क्योंकि किसी काम को साथ करना हमेशा अच्छा लगता है। इससे अपनापन, आपसी जुड़ाव और सामंजस्य बढ़ता है। फिर जब बात साथ घूमने की हो तो बात ही कुछ और होती है। लंबा सफर पत्थक झपकते ही पूरा हो जाता है। एक साथ घूमना, रहना, खाना, पीना, मस्ती और ढेर सारी सेल्फी। ये सब ज़िंदगी की एल्बम में रंग भर देते हैं। साथ घूमना केवल जगहें देखना नहीं, बल्कि अपनेपन की अनुभूति का उत्सव होता है, जो आपसी समझदारी से जीवन भर के लिए एक खुबसूरत याद बन सकता है। आज लोगों के पास साधन तो बढ़े हैं, पर साथ रहना कम हो गया है। लोग अब

किसी के साथ कहीं जाने की जगह अपने परिवार के साथ ही जाना पसंद करते हैं। कभी सोचा है क्यों? खुद में ही सिमटने की इस भावना के लिए कौन जिम्मेदार है? एक पक्ष को ही जिम्मेदार ठहराना थोड़ी जल्दबाजी हो सकती है जानिये इस 'क्यों' का जवाब ताकि अगली बार कहीं जाना हो तो आप और हम खुशी से अपने दोस्तों के साथ निकल सकें। एक वक्त था जब साथ घूमना रिश्तों की धड़कन हुआ करता था। गर्मी की छुट्टियों में पूरा परिवार रेल में बैठकर नानी या दादी के घर जाया करता था। वह सफर, वह मिलन, और वह हंसी-ठिठोली आज भी यादों में बसती है। तब हर सफर केवल मंजिल तक पहुंचने का नहीं, बल्कि रिश्तों को गहराई से समझने का माध्यम होता

था। आज के दौर में तकनीक ने हमें भले जोड़ दिया हो, पर दिलों के बीच की दूरी बढ़ा दी है। हम 'ऑनलाइन कनेक्टेड' हैं, पर 'इमोशनली डिस्कनेक्टेड'। साथ घूमने की बात आते ही अक्सर कोई कह देता है, 'मुझे अकेले घूमना पसंद है', 'मैं तो अपने हिसाब से एन्जॉय करता/करती हूं।' यह स्वतंत्रता अच्छी है, पर जब यह 'साथ न चलने की आदत' बन जाए, तब यह रिश्तों में खालीपन ला देती है। की गलती हमेशा एक ही तरफ होती है? इसका सीधा-सा जवाब है-नहीं। कमी दोनों तरफ से होती है। क्योंकि कुछ लोग दूसरों के हिसाब से चलना नहीं चाहते। वे सोचते हैं कि उनके विचार, पसंद और सुविधाएं सबसे अलग हैं, इसलिए साथ घूमने का कोई अर्थ

नहीं। दूसरी ओर कुछ लोग इतने अधिकार भाव में घिर जाते हैं कि दूसरों की सुविधा और भावनाओं की परवाह ही नहीं करते। नतीजा दोनों के बीच 'साथ चलने का पुल' गिर जाता है। कभी-कभी यह भी होता है कि किसी सफर में छेटी सी बात पर मतभेद बढ़ जाते हैं। जैसे- कौन-सी जगह पहले जाएं, कौन-सी गाड़ी लें, किस होटल में रुकें... और ये छोटे-छोटे निर्णय बड़े विवादों का रूप ले लेते हैं। हर कोई चाहता है कि यात्रा उसके हिसाब से चले, बाकी सब बस साथ हों। कहते हैं, किसी को सच में जानना हो तो उसके साथ यात्रा करिए। क्योंकि यात्रा में सबका असली स्वभाव सामने आता है। कौन धैर्यवान है, कौन स्वार्थी, कौन जिम्मेदार और कौन संवेदनशील।

साथ घूमना एक तरह से रिश्तों की परख का पैमाना है। कई रिश्ते सफर में ही मजबूत हो जाते हैं, तो कुछ वहीं बिखर जाते हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि साथ न जाया जाए। बल्कि यही वो मौक़े होते हैं जो हमें अपने और दूसरों के स्वभाव को समझने का अवसर देते हैं। अगर हम हर बार मतभेद से भागेंगे, तो रिश्ते कभी गहराई नहीं पकड़ेंगे। मत के भेद, मन को जोड़ने से दूर होंगे। साथ घूमने का असली आनंद तब है जब आप 'अपनों के साथ अपनेपन से' चलें। कभी किसी के मन के मुताबिक जगह चुन लें, कभी किसी की पसंद का खाना खा लें। अगर एक व्यक्ति साथ चलने को तैयार है, और दूसरा हर बार बहाना बनाता है, तो भी रिश्ता अधूरा रह जाता है। ऐसे में अगर कोई